● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

02 अभी और सताएगी ठंड! नए साल में कोहरे का भी सितम, साढ़े 5 डिग्री लुढ़का पारा

04 डॉ.सीकरिया ने गोल्ड प्लेटेड अश्व को अयोध्या भेजने को सरकार को भेजा पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, सोमवार, 02 जनवरी 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 318

भारत और पाकिस्तान ने साझा की परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने आज नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के माध्यम से दोनों देशों के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमले को रोकने के समझौते के तहत शामिल परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का आदान-प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि इस समझौते पर 31 दिसंबर, 1988 को हस्ताक्षर किए गए थे और 27 जनवरी, 1991 को लागू हुआ था। अन्य बातों के साथ-साथ इसमें प्रावधान है कि भारत और पाकिस्तान पहली जनवरी को समझौते के तहत शामिल किए जाने वाले परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के बारे में एक-दूसरे को सूचित करेंगे।

तेजपुर विवि के दीक्षांत समारोह में पहुंचे रक्षा मंत्री

अब 'रहने दो' के स्थान पर 'आओ-करें' पर विश्वास करता है नया भारतः राजनाथ

शोणितपुर (असम)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि केन्द्र सरकार देश में एक रणनीतिक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए घरेलू, रक्षा, औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का एक मजबूत आधार विकसित कर रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में तेजपुर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए रक्षा मंत्रालय के उठाए गए विभिन्न कदमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहली बार

हथियारों के आयात को प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने कहा, "हमने पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी कीं, जिसके तहत 509 ऐसे रक्षा उपकरणों की पहचान की गई है, जिनका निर्माण अब स्वदेशी रूप से किया जाएगा। इसके अलावा, हमने रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की चार सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची भी जारी की है, जिसमें 4,666 वस्तुओं की पहचान की गई है, जिनका निर्माण अब हमारे देश में किया जाएगा।"

घरेलू रक्षा विनिर्माण पर सरकार के फोकस को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार उत्पादन एक लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा निर्यात का कुल मूल्य, जो 2016-17 में 1,521 करोड़ रुपये था, 2022-23 में लगभग 10 गुना बढ़कर 15,920 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। विश्वसनीयता के संकट को आत्मविश्वास की संस्कृति से बदलने को लेकर उन्होंने कहा कि भारत अब "रहने दो" दृष्टिकोण के प्रति सहिष्णु नहीं है। आज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत 'आओ-करें' दृष्टिकोण में विश्वास करता है।

प्रधानमंत्री नए साल पर दक्षिण के तीन राज्यों का करेंगे दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो जनवरी से तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप का तीन दिवसीय दौरा करेंगे। तमिलनाडु में वे 19,850 करोड़ रुपये और लक्षद्वीप में 1150 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, दो जनवरी को सुबह प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली पहुंचेंगे। वह तिरुचिरापल्ली के भारतीदासन विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। दोपहर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विमानन, रेल, सड़क, तेल, गैस, शिपिंग और उच्चतर शिक्षा क्षेत्र से संबंधित

19,850 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री इस दौरान केरल में दो कार्यक्रमों में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री लक्षद्वीप में 1150 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। ये विकास परियोजनाएं दूरसंचार, पेयजल, सौर ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों से संबंधित हैं। इसके साथ ही आजादी के बाद पहली बार लक्षद्वीप को सबमरीन ऑप्टिक फाइबर केबल से जोड़ा जाएगा।

गणतंत्र दिवस परेड में नहीं दिखेंगी पंजाब, पश्चिम बंगाल व दिल्ली की झांकियां : रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। इस बार कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी को निकलने वाली गणतंत्र दिवस परेड में पंजाब, पश्चिम बंगाल और दिल्ली की झांकियां नहीं दिखेंगी। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को साफ़ किया है कि इन राज्यों की झांकियों का गणतंत्र दिवस की थीम के अनुरूप न होने की वजह से चयन नहीं किया गया है। इस बार जिन राज्यों की झांकियों को नहीं चुना गया है, उन्हें 23-31 जनवरी के दौरान लाल किला पर होने वाले 'भारत पर्व' में अपनी झांकी प्रदर्शित करने का मौका दिया जायेगा।

गणतंत्र दिवस परेड में पंजाब, दिल्ली और पश्चिम बंगाल की झांकियों को शामिल न किये जाने के बावत रक्षा मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया कि झांकियों का चयन करने के लिए पहले से ही एक प्रणाली है, जिसके अनुसार रक्षा मंत्रालय सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी), केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों से झांकी के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है। झांकी के लिए मिले प्रस्तावों का मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति की कई दौर की बैठकों में किया जाता है। इस समिति में कला, संस्कृति, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, वास्तुकला, कोरियोग्राफी आदि के क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होते हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक विशेषज्ञ समिति की बैठक के पहले तीन दौर में पंजाब की झांकी के प्रस्ताव पर विचार किया गया था। तीसरे दौर की बैठक के बाद पंजाब की झांकी को इस बार के विषयों के अनुरूप नहीं होने के कारण प्रस्ताव को आगे विचार के लिए आगे नहीं बढ़ाया जा सका। इसी तरह विशेषज्ञ समिति की बैठक के पहले दो दौर में पश्चिम बंगाल की झांकी के प्रस्ताव पर विचार किया गया था।

दूसरे दौर की बैठक के बाद पश्चिम बंगाल के प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। मंत्रालय की ओर से यह भी बताया गया कि पंजाब की झांकी को 2017 से 2022 तक छह बार, जबकि पश्चिम बंगाल की झांकी को 2016, 2017, 2019, 2021 और 2023 में यानी पांच बार गणतंत्र दिवस परेड के लिए चुना गया था।

रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देश के सभी राज्यों के साथ समान व्यवहार किया जाना है, इसलिए यह आवश्यक है कि अन्य राज्यों को भी अपनी झांकियां प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाना चाहिए।

दु:खद | इंडिगो कार सवार आठ युवक की कार पोल से टकराई

पिकनिक मनाने गए छह युवकों की दुर्घटना में मौत

सरायकेला। नए साल का पहला दिन सरायकेला-खरसावां जिला के तहत आदित्यपुर के बाबाकुटी आश्रम के लोगों के लिए मातम भरा रहा। सोमवार को तड़के बिष्टुपुर थाना के साई मंदिर गोल चक्कर के समीप सड़क दुर्घटना में आदित्यपुर के आरआईटी थाना क्षेत्र के तहत बाबाकुटी के छह युवकों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार नव वर्ष पर एक इंडिगो कार पर सवार आठ युवक पिकनिक मनाने मरीन ड्राइव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अनियंत्रित कार की पोल से टक्कर हो गई, जिससे कार में सवार आठों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था

कि कार के चिथड़े उड़ गए। कार में सवार पांच युवकों शुभम कुमार, सूरज शाह, अनिरूद्ध प्रसाद यादव, अनिकेत कुमार, हेमन्त कुमार सिंह और पीयूष उर्फ टुकटुक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक की एमजीएम में इलाज के दौरान मौत हुई। कार में सवार हर्ष कुमार झा और रवि झा घायल हो गए, जिन्हें टीएमच और स्टील सिटी में बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। दोनों युवक अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र हैं।

एक ही मोहल्ले के रहने वाले इन सभी दोस्त 31 दिसम्बर की रात बाबाकुटी के एस रोड में नव वर्ष पर पिकनिक की तैयारी के लिए इकट्ठा हुए थे। पुराने साल को सभी ने जश्न के साथ विदा किया। रात में सभी युवक एकसाथ लिट्टी चोखा बनाया। इसके बाद सुबह सूरज की कार में सवार होकर सभी पिकनिक मनाने के लिए निकले थे।

जन मन सर्वेक्षण में भाग लें, भारत की प्रगति पर अपने विचार मेरे साथ साझा करें: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नागरिकों से 'जन-मन सर्वे' में भाग लेने और पिछले 10 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति पर अपने विचार साझा करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, "पिछले 10 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में भारत द्वारा हासिल की गई प्रगति के बारे में आप क्या सोचते हैं? नमो ऐप पर जन मन सर्वेक्षण के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया सीधे मेरे साथ साझा करें!" उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 19 दिसंबर को अपनी सरकार और स्थानीय प्रतिनिधियों के प्रदर्शन पर व्यापक सवालों के साथ नमो ऐप पर 'जन-मन सर्वे' की शुरुआत की थी।

टूटी पटरी से गुजर गयी फरक्का एक्सप्रेस

पटना। साल के पहले दिन सोमवार को पटना में एक रेल हादसा टल गया। पिछले चार दिनों से बिहार में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और इसका असर रेलवे में भी देखा जा रहा है। ठंड के कारण पटना में सोमवार की सुबह खुसरूपुर अप मेन लाइन की पटरी टूट गई थी। स्टेशन मास्टर कार्यालय के ठीक सामने रेल की पटरी टूटी थी। इस दौरान सुबह 4.05 बजे फरक्का एक्सप्रेस काफी तेज गति से टूटी पटरी के ऊपर से गुजर गई। ट्रेन के गुजरने के दौरान असामान्य आवाज ने रेल कर्मियों को चौका दिया। ट्रेन जाने के बाद रेल कर्मियों ने जब देखा तो पटरी टूटी थी। आनन-फानन में इसकी सूचना रेल मंडल दानापुर के कंट्रोल को दी गई। गनीमत रही कि फरक्का एक्सप्रेस सही सलामत टूटी पटरी से गुजर गई। सूचना मिलते ही फतुहा से पीडब्लूआई की टीम घटनास्थल पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद पटरी को ठीक किया गया। पटरी की मरम्मत कार्य के बाद गति सीमा नियंत्रित कर परिचालन को बहाल कराया गया है।

राजद विधायक के बयान पर जेडीयू बौखलाई

जेडीयू के प्रवक्ता ने कहा कि उनको नाम रखना चाहिए कायर बहादुर सिंह

बीएनएम@पटना

आरजेडी नेता फतेह बहादुर सिंह के बयान पर बिहार में बवाल मचा हुआ है। इस पर जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि फतेह बहादुर सिंह का नाम के विपरीत आचरण है उनको नाम रखना चाहिए कायर बहादुर सिंह उनको तो सभी को कहना चाहिए की जो कोई भी धर्म में विश्वास रखता हो वो हमारे यहां न आए. कायर बहादुर सिंह को कहना चाहिए कि जो कोई भी धर्म में आस्था रखता हो वह हमको वोट ना दे तो उनको पता चल जाएगा. कायर बहादुर सिंह से कुछ लेना देना नहीं है।

'हम हिंदू नहीं है हम शूद्र हैं'

वहीं, आरजेडी नेता फतेह बहादुर सिंह ने फिर से विवादित बयान दिया है. उन्होंने कहा कि मैं अपने बयान पर कायम हूं. मै अपने बहुजन भाइयों को न्याय दिलाना चाहता हूं. हमको मनुस्मृति और रामचरितमानस में भी शूद्र कहा जाता है हम हिंदू नहीं है हम शूद्र हैं. जो राम मंदिर बन रहा है गलत है उसकी बदले वहां पर यूनिवर्सिटी और फैक्ट्री बनानी चाहिए जिससे लोगों को रोजगार मिले. मै अपने बहुजन भाइयों के हाथ में कलम देना चाहता हूं न कि धर्म का झंडा देना चाहता हूं।

मै राम को भगवान नहीं मानता हूं: फतेह बहादुर सिंह

फतेह बहादुर सिंह ने कहा कि जो लोग कहते हैं की राम मूर्ति में प्राण हैं उनको ऐसी मूर्तियों को चिन्हित करना चाहिए और जो हमारे जवान सरहदों पर शहीद होते हैं उनको वहां भेजना चाहिए और हमारे शहीदों को वापस प्राण देना चाहिए. मै राम को भगवान नहीं मानता हूं और सुप्रीम कोर्ट भी राम को भगवान नहीं मानता है।

मनोज झा ने किया बचाव

मनोज झा ने कहा कि फतेह बहादुर के बयान पर जिस तरह के बयान मीडिया से आ रहे हैं वो ठीक नहीं है. कबीर के बयान पर भी आज लिंचिंग हो जाएगी. बीजेपी के लोग लिंचिंग करते हैं. मीडिया से आरजेडी आग्रह करते हुए कही कि सब धर्म संभाव है. चार दिन पूर्व असम के सीएम ने शूद्रों के बारे में लिखा, लेकिन मीडिया ने उन्हें नहीं चलाया।

सब तैयारी हो रही है: मनोज झा

वहीं, जेडीयू के नीरज कुमार के द्वारा फतेह बहादुर के बयान पर दिए प्रतिक्रिया पर आरजेडी सांसद ने कहा कि मेरे द्वारा दिए गए बयान के बाद नीरज कुमार का बयान देख लेंगे. मां दुर्गा और मां सरस्वती के ऊपर विधायक के दिए बयान पर क्या कहा. उनकी हर बात का समर्थन नहीं करते हैं. कर्नाटक के मंत्री के बयान पर सांसद ने कहा कि बीजेपी वाले अगर राम को पॉलिटिकली लेंगे तो उनके हाथ झूलस जाएंगे. वहीं, जेडीयू एमएलसी संजय सिंह के बयान कि 'इंडिया' गठबंधन कब चुनाव की तैयारी करेगा. इस पर सांसद ने कहा सब तैयारी हो रही है।

इस साल नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, नीतीश हटेंगे, जदयू टूटेगा : सुशील मोदी

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुशील कुमार मोदी ने वर्ष 2024 के शुभारम्भ पर बिहार की जनता को बधाई देते हुए तीन भविष्यवाणियां कीं है। सोमवार को उन्होंने बयान जारी कर कहा कि वर्ष 2024 में भाजपा के शीर्ष राजनेता नरेन्द्र भाई मोदी तीसरी बार प्रचंड बहुमत से प्रधानमंत्री बनेंगे, नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से हटेंगे और जनता दल-यू में विभाजन होगा। उन्होंने कहा कि मेरी ये तीनों भविष्यवाणी देश और बिहार के हित में अवश्य सत्य सिद्ध होंगी।

सुशील मोदी ने कहा कि इस वर्ष के पहले माह में मकर संक्रांति के बाद अयोध्या के नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया युग प्रारम्भ होगा।

अयोध्या धाम के नये स्वरूप में विकसित होने से लाखों लोगों को पर्यटन उद्योग में रोजगार के अवसर मिलेंगे और बिहार को नीतीश-लालू राज के राहु काल से मुक्ति मिलेगी। ऐसे शुभ परिवर्तनों की आशा से भरे वर्ष 2024 में सबका अभिनंदन है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मां परमेश्वरी देवी की पुण्यतिथी पर श्रद्धांजलि अर्पित की

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साल के पहले दिन सोमवार को अपनी माता स्व परमेश्वरी देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर पैतृक गांव कल्याण बिगहा, हरनौत स्थित कविराज रामलखन सिंह स्मृति वाटिका में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मौके पर सीएम ने अपने पिता स्व रामलखन सिंह एवं अपनी धर्मपत्नी स्व मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के बड़े भाई सतीश कुमार, पुत्र निशान्त कुमार एवं निकट परिजनों ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा के भगवती मंदिर (देवी स्थान) में पूजा अर्चना की और राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनी और उसके समाधान के लिये अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, सांसद अनिल हेगड़े, विधायक जितेन्द्र कुमार, विधायक हरिनारायण सिंह, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह, विधान पार्षद ललन सर्राफ, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष उदयकांत मिश्रा, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य मनीष कुमार वर्मा, बिहार राज्य शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अफजल अब्बास, बिहार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष मो इरशादुल्ला, जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अभी और सताएगी ठंड ! नए साल में कोहरे का भी सितम, साढ़े 5 डिग्री लुढ़का पारा

पटना। तेज पछुआ की वजह से पटना सहित 25 शहरों के न्यूनतम तापमान में काफी कमी आई है। इससे सुबह और शाम में ठंड बढ़ गई है। सबसे अधिक तापमान में गिरावट औरंगाबाद में दर्ज की गई, जहां रविवार की अपेक्षा सोमवार को 5.6 डिग्री पारा नीचे आया। डेहरी में चार डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, धूप निकलने से पटना सहित कुछ शहरों का अधिकतम तापमान तेजी से ऊपर आया है।सबसे न्यूनतम तापमान कैमूर में 7.4 डिग्री दर्ज किया गया। 17 शहरों के अधिकतम तापमान में भी कमी आई है।

मौसम विभाग के अनुसार सुबह और शाम में भी ठंड में बढ़ोतरी होगी। इस हफ्ते कुछ जगहों पर शीत दिवस के हालात बन सकते हैं। अधिकतर जिलों में कोहरा कम हुआ है। गया का न्यूनतम पारा 8.6 डिग्री, औरंगाबाद 8.4, डेहरी 8.5 डिग्री, बक्सर 7.4 डिग्री, मोतिहारी 9.5 डिग्री, सबौर का 8.8 डिग्री रहा। पटना के न्यूनतम तापमान में 1.2 डिग्री की कमी आई, पर अधिकतम तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

धूप निखरने की वजह से विमान और रेल सेवाओं में आंशिक सुधार हुआ। सोमवार को राजधानी के अधिकतम तापमान में 5.4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। चौथे दिन लोगों को सूर्य के दर्शन हुए। सोमवार को पटना का अधिकतम तापमान 18.9 डिग्री व न्यूनतम 10.7 डिग्री रहा। कोहरे का असर रेल यातायात पर भी दिख रहा है। तेजस समेत दर्जनों ट्रेनें 9 घंटे की देरी से चल रही हैं। जिसके चलते यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही हाल विमान सेवाओं का भी है।

ख्यमंत्री ने महाराष्ट्र की दस्ताना फैक्टरी में चार बिहारी मजदूरों की मौत पर संवेदना व्यक्त की

मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये अनुदान देने का दिया निर्देश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद स्थित दस्ताना फैक्टरी में आग की हटना को अत्यंत दुखद बताया और हादसे में बिहार के चार मजदूरों की मृत्यु पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद स्थित दस्ताना फैक्टरी में अगलगी हादसे में बिहार के मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 02-02 लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने स्थानिक आयुक्त, नई दिल्ली को निर्देश दिया है कि महाराष्ट्र सरकार से आवश्यक समन्वय स्थापित कर मृतकों के पार्थिव शरीर को बिहार लाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

नये साल पर भगवान के दर्शन के लिए मंदिरों में लगा तांता, चाटी माई मंदिर पहुंचे लाखों श्रद्धालु

मोतिहारी। नये साल के अवसर पर जिले के प्रायः सभी मंदिरों में भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। सुबह घने कोहरे और ठंढ के बावजूद महिला व पुरुष श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचने के लिए तांता लगा रहा।

अरेराज स्थित सोमेश्वरनाथ मंदिर के साथ मोतिहारी निगम क्षेत्र के बंजरिया स्थित चाटी माई स्थान पर सुबह से देर शाम तक लोगो के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। बताते चले कि चाटी माई स्थान मंदिर पर प्रत्येक नये साल पर 48 घंटे का श्री राम नाम संकीर्त्तन का आयोजन किया जाता है, साथ ही मौके पर भव्य मेले का भी आयोजन किया

जाता है। जहां मोतिहारी शहर व आसपास के गांवों के साथ मुजफ्फरपुर, बेतिया, सीतामढी व शिवहर के साथ पड़ोसी देश नेपाल तक के लोग पहुंचते है।

लोगो की मान्यता है, कि नये साल पर सिद्धपीठ चाटी माई के दर्शन से साल भर घर में खुशी व्याप्त रहता है। उल्लेखनीय है, कि चाटी माई मंदिर पर मेला का आयोजन बंजरिया नवयुवक कीर्तन मंडली कोलुअरवा, दारोगा टोला शिव मंदिर समिति व जानपुल चौक हनुमान मंदिर समिति के संयुक्त तत्वाधान में पिछले तीस साल से किया जा रहा है।

आयोजन समिति के लोगो ने बताया कि इस मौके पर श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन के साथ मेले में बच्चों के लिए झूले सहित कई मनोरंजन की व्यवस्था की गई है। वही इस मौके पर बंजरिया थानाध्यक्ष प्रभाकर पाठक व सीओ मणि कुमार वर्मा ने बताया कि मेला में सुरक्षा को लेकर कई लेयर पर व्यवस्था की गई है। पुरुष व महिला बल के साथ सादे लिबास में भी पुलिस बल तैनात किये गये है।

दो मोटरसाइकिल की टक्कर में युवक की हुई मौत

रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के भलुवहिया गांव में स्थित 10 नम्बर रेल गुमटी के सामने दो मोटरसाइकिल के आमने सामने की टक्कर में एक मोटरसाइकिल चालक की मृत्यु हो गई। मृतक प्रीतम राज कश्यप उम्र 25 वर्ष शिवनगर पंचायत के पूर्व पैक्स अध्यक्ष श्री प्रकाश का लड़का बताया गया है। जिसकी जानकारी वर्तमान पैक्स अध्यक्ष मुकेश कुमार ओझा ने दी है। मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार के करीब 4 बजे मृतक प्रीतम राज कश्यप अपने दुकान रामगढ़वा से मोटरसाईकिल से अपने घर सतपिपरा जा रहा था की भलुवाहिया गांव में स्थित 10 नम्बर रेल गुमटी के बगल में रक्सौल की ओर से आ रही एक मोटरसाइकिल से आमने सामने टक्कर हो गया। टक्कर के बाद रक्सौल से आ रही मोटरसाइकिल चालक फरार हो गया। वहीं मृतक प्रितम राज कश्यप को चोट ज्यादा लग गई जिससे वहीं पर गिर पड़ा। जिसको रामगढ़वा अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से किशोर की मौत

बीएनएम@केसरिया

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से सोमवार को एक किशोर की मौत हो गई। घटना सागर चुरामन - बेलवा मार्ग के बंगरी माई के समीप की है। मृतक सागर चुरामन गाँव के अनिल सहनी का 16 वर्षीय पुत्र अजीत कुमार बताया जाता है। जानकारी है कि अजीत साइकिल से पेट्रॉल पम्प पर डीजल लाने जा रहा था।

जहाँ बंगरी माई के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सूचना पर पहुँचे परिजन उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

पराक्रम रैली का आयोजन

बेतिया। महाराज स्टेडियम बेतिया के चारों ओर लोग सपाटे मौज मस्ती एवं नववर्ष का आनंद लेने दूर दराज के क्षेत्र एवं पहाड़ी जंगली इलाकों में व्यस्त हैं।दूसरी ओर देश के मूल निवासी एवं देशभक्त समाज के द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। एक जनवरी 1818 की याद में पराक्रम रैली का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के कोने-कोने से तथा आसपास के गांव से एवं शहर से परंपरागत अस्त्र-शस्त्रों के साथ अपने बहुजन महानायकों एवं पराक्रमी पूर्वजों की याद में समाज ने अपने पराक्रम का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे मिसाइल इंजीनियर विजय कश्यप हमारे पूर्वज एवं नायक सिद्धनाथ के अगुवाई में छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी महाराज के टुकड़े-

टुकड़े करने वालों को मात्र 500 बहुजन सेनानियों ने 28,000 पेशवाओं की सैन्य बल को गाजर मूली की तरह काटकर धराशायी किया एवं विदेशी मानसिकता के ऊपर पहली बार पराक्रमी देशभक्ति की जय जयकार हुई। यादगार में पुणे के पास भीमा नदी के किनारे कोरेगांव में एक विजय स्तंभ का निर्माण किया गया है।

जो हमारे पूर्वजों के पराक्रम को याद दिलाता है । आज भी शास्त्रों की रक्षा के लिए शास्त्र आवश्यक है । इसलिए शस्त्र धारण एवं सत्र संचालन तथा शास्त्र को साथ रखने की शिक्षा आज ही हमारा 1 जनवरी पराक्रम दिवस हमें प्रदान करता है।

स्वागत पाँच बजे से पहले स्तूप परिसर को कराया गया खाली

बौद्ध स्तूप परिसर में पर्यटकों की उमड़ी भीड़

अमृतेश कुमार ठाकुर

बीएनएम@केसरिया। नववर्ष के प्रथम दिन सोमवार को बौद्ध स्तूप सहित क्षेत्र के अन्य दार्शनिक स्थल पर्यटकों से गुलजार हुआ। जहाँ स्तूप परिसर में करीब पचास हजार देशी व विदेशी सैलानियों ने नये वर्ष को सेलिब्रेट किया। किसी ने केक काटकर तो किसी ने एकदूसरे को मिठाई खिलाकर नये वर्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर लोगों ने क्षेत्र के विभिन्न मठ-मंदिरों में पूजा अर्चना कर समृद्धि की कामना की। भारी भीड़ के कारण विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हो इसको लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा स्तूप परिसर को संध्या पाँच बजे से पहले खाली कराया गया। इसको लेकर प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह दलबल के साथ विधि-

व्यवस्था की कमान सम्भाले दिखे। इधर, युवतियों ने जमकर सेल्फी ली। वहीं शरारती लोगों द्वारा स्तूप पर चढ़कर तस्वीर लिया जा रहा था। जिसे पुलिस द्वारा खदेड़ा गया। सुबह से हीं लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। जिसके कारण करीब पाँच घण्टे तक लाला छपरा-केसरिया मार्ग में वाहन रेंगते रहे। देर शाम तक लोगों की भीड़ कम होने के साथ आवागमन दुरुस्त हुआ। हालांकि विगत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष डीजे की धुन पर लोगों को थिरकते नहीं देखा गया। क्षेत्र के केशरनाथ महादेव मंदिर, राजमाता मंदिर, धवलपीठ ढेकहाँ सहित अन्य मठ-मंदिरों में पूजा-अर्चना को लेकर काफी भीड़ रही।

नए नियम के खिलाफ ट्रक एसोसिएशन ने किया चक्का जाम

शिवहर। केंद्र सरकार के नए नियम के खिलाफ ट्रक एसोसिएशन आज नए साल के पहले दिन 1 जनवरी 2024 से 3 जनवरी 2024 तक चक्का जाम कर दिया है, जिस कारण बस, ट्रक ,मोटर वाहन, फोर व्हीलर,टेम्पू का परिचालन बंद हो गया है।

शिवहर जीरोमाइल चौक से मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मोतिहारी, बैरगनिया के लिए जाने वाली यात्री परेशान है। शिवहर जीरो माइल चौक के एक बस कंडक्टर ने बताया है कि हाल ही के दिनों में केंद्र सरकार ने एक योजना लाई है जिसमे ट्रक से दुर्घटना होने पर चालक मौके से फरार होता है तो ट्रक मालिकों से 10 लाख का जुर्माना वसुला जाएगा, साथ ही चालक को 7 वर्ष की जेल होगी, जो न्याय संगत नहीं है। नए कानून के विरोध में रोडवेज की अनुबंधित और निजी बसों के चालकों के साथ, स्थानीय टेंपू,मोटर वाहन हड़ताल पर चले गए हैं ।

बा बदल गइल रात के कथि कहीं...

नववर्ष के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित

बीएनएम@केसरिया

नववर्ष के अवसर पर सोमवार को बौद्ध स्तूप परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान व भोजपुरी विकास मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कवि सम्मेलन में लोगों ने जमकर ताली बजायी। कवि डॉ विक्रम कुमार सिंह ने रूप बा बदल गइल रात के कथि कहीं, बात बात पर मिलत घात कथि कहीं कविता पाठ की शानदार प्रस्तुति दी। वहीं काहे नईखे मिलत विशेष राज्य के दर्जा, हक ह बिहार के कवनो माँगत नईखी कर्जा की प्रस्तुति से कवि निकेश ठाकुर ने वाहवाही लूटी। कवि सम्मेलन में सुमेश्वर कुमार निर्भय, रामनाथ पासवान, दिलीप कुमार, बैधनाथ विद्यार्थी आदि ने भी काव्य पाठ सुनाया। सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ ओमप्रकाश राजापुरी व संचालन रामकुमार गिरी ने किया। इस अवसर पर महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के अध्यक्ष सीताराम यादव, सचिव राकेश कुमार रत्न, राजेन्द्र सिंह, रवींद्र सिंह बेरुआर, लवकुमार यादव, रामाधार राय, दिनेश पाण्डेय, राजन यादव सहित अन्य मौजूद थे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बटालियन का स्थापना दिवस

सीमा सुरक्षा के साथ सेवा लिए सदैव तत्पर है एसएसबी : कमान्डेंट

बीएनएम@मोतिहारी

जिले के पीपराकोठी स्थित एसएसबी कैम्प 71 वीं बटालियन पिपराकोठी ने 7 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत वाहिनी कमान्डेंट प्रफुल्ल कुमार ने वाहिनी के नाम संदेश पढ़ कर किया तथा सभी बलकर्मियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह वाहिनी 31 दिसम्बर 2017 को पिपराकोठी में स्थापित हुई थी और तब से आज तक सीमा पर तैनात होकर अपनी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करते आ रही है।

उन्होंने बताया कि इस दौरान वाहिनी ने सीमा पर हो रहे अवैध बाल तस्करी को रोकने, नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने, नोटों की जब्ती करने, कोर एरिया जब्ती और अन्य महत्वपूर्ण जब्ती करने का कार्य किया है। इसके अतिरिक्त वाहिनी ने सीमा के लोगो के लिये सामाजिक चेतना कार्यक्रम और नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सीमावर्ती बेरोजगार युवक व युवतियों को रोजगार मुहैया कराने के लिये निःशुल्क तरह तरह के कौशल विकास प्रशिक्षण करवा रही है।

इसके साथ ही सीमावर्ती ग्रामीणों को निःशुल्क दवा का वितरण किया जा रहा है। स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न तरह के खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे : बच्चों का जलेबी रेस प्रतियोगिता, सांस्कृतिक नृत्य व गायन, चित्रकला प्रतियोगिता, बिहू नृत्य, भांगड़ा नृत्य, स्थानीय नृत्य इत्यादि का भी आयोजन किया गया, जिसमें वाहिनी के सभी बलकर्मी, संदिक्षा परिवारों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट, श्रीमति देवबर्ती बनर्जी सिंह संदीक्षा अध्यक्षा,विश्वजीत तिवारी उप कमान्डेंट, उपेंद्र सिंह डांगी उप कमान्डेंट, अंसल श्रीवास्तव सहा. कमान्डेंट, श्रीमती पुष्पा उप समाहर्ता पूर्वी चंपारण, एस. सतीश सहा.कमान्डेंट, सेरिंग दोरजे,अखिल विश्वास, भाग सिंह, नवनीत प्रभाकर सहा. कमांडेंट, अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, संदीक्षा परिवार के सदस्य एवं वाहिनी के सभी अधिनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

दिल्ली पुलिस ने सुगौली से दो को किया गिरफ्तार

मोतिहारी। जिले में सुगौली थाना क्षेत्र से दिल्ली के नॉर्थ ईस्ट जिला के ज्योति नगर से पहुंची पुलिस टीम ने दो साइबर अपराधियों को सोमवार को गिरफ्तार किया है। टीम का नेतृत्व कर रही सब इंस्पेक्टर अनुप लता ने बताया कि पकड़ाए लोगों पर दिल्ली के साइबर थाने में कांड संख्या 44/23 के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। जिसके तहत रामगढवा थाना के बेला गांव के वार्ड नंबर 14 निवासी मोहम्मद अंसार अली के पुत्र मो नशार अली और पश्चिमी चंपारण जिले के मझौलिया थाना के जौकटिया गांव के वार्ड नंबर 2 निवासी सुरेंद्र कुमार यादव के पुत्र संतोष कुमार यादव को सुगौली बाजार से गिरफ्तार किया गया है।

डॉ.सीकरिया ने गोल्ड प्लेटेड अश्व को अयोध्या भेजने के लिए केन्द्र व उप्र सरकार को भेजा पत्र

मोतिहारी। 22 जनवरी को अयोध्या में हो रहे कार्यक्रम के संबंध में प्रेस द्वारा- राम जी के जीवन का महत्वपूर्ण अश्वमेघ यज्ञ जिसको उनके बाद कलयुग में मनोकामना सिद्ध हनुमान आश्रम के आचार्य उद्योगपति एवं समाजसेवी डॉ0 शम्भूनाथ सीकरीया ने किया। इस अश्वमेद्य यज्ञ का गोल्ड प्लेटेड अश्व 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की स्थापना के क्रम में जाने के संबंध में पूछा गया तो उन्होनें बताया कि इससे संबंधित केन्द्र एवं उत्तरप्रदेश सरकार को पत्र दिया गया है कि अयोध्या जाने के संबंध में पूर्ण रूपेण इसकी सुरक्षा व्यवस्था तथा आगे का मार्गदर्शन दिया जाय। जो अभी तक प्राप्त नहीं हुआ हैं। यदि निर्देश प्राप्त होगा तो गोल्ड प्लेटेड अश्व अवश्य अयोध्या अपने राम लला के दर्शन करने पहुँचेगा। उन्होनें यह भी बताया कि 22 तारीख को आश्रम में दिपावली मनाई जायेगी। निमंत्रण प्राप्त होने के संबंध में पूछने पर उन्होनें कहा कि संसार के मालिक का दर्शन करने के लिए निमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती। मैं मालिक के दर्शन अहंकर मुक्त होकर सामान्य रूप से करना ज्यादा पसंद करता हूँ। अयोध्या में अश्व के स्थापना के क्रम में पूछे जाने पर उन्होनें बताया कि रामजी का अश्व को यदि रामजी अपने यहाँ जगह देते है तो इससे बड़ी खुशी की बात क्या होगी। यह अश्व अश्वमेघ यज्ञ के क्रम में अयोध्या, बनारस, गोरखपुर, जनकपुर, बाल्मिकीनगर भ्रमण कर आर्शिवाद लेकर लौटा था। निर्देश की प्रतिक्षा है, तो उसकी सूचना दी जायेगी।

अभी नहीं मिला है जवाब, प्रतिक्रिया आते ही दी जाएगी जानकारी

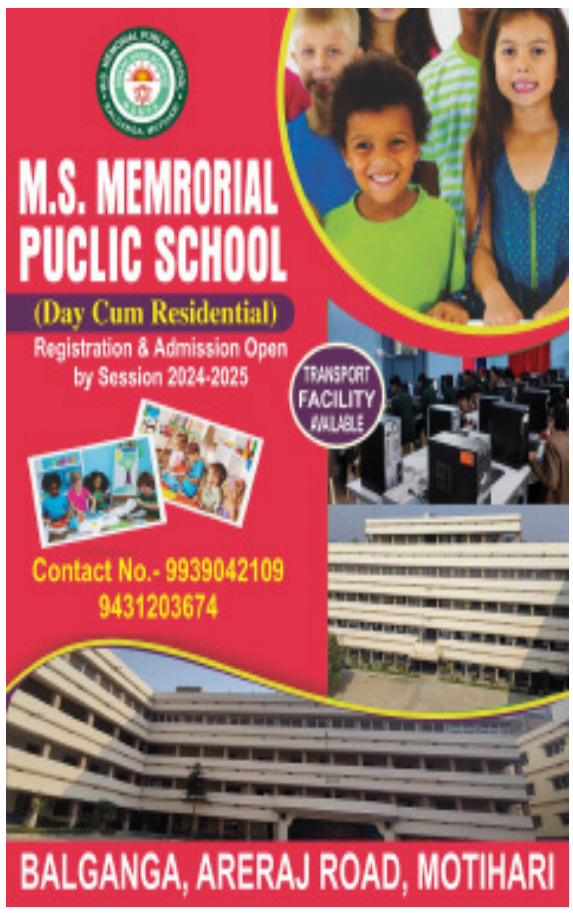

BORDER NEWSMIRROR

Tuesday 02 January 2024

Editorial

पूरे विश्व को मानना होगा एक परिवार

दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो। ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें। महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध भजन है वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है। गांधी जी के इस भजन की पंक्तियों को भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से ही विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है। आज भी दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है।यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है।

कांग्रेस किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी

आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से भारत न्याय यात्रा करने का ऐलान किया है। पार्टी के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने के बाद गांधी देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे। राहुल गांधी 6200 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 14 राज्यों को कवर करेंगे। सवाल यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के बंटवारे के फैसले से लेकर लंबे कालखंड तक तमाम अवसरों पर अन्याय किया है, वो आखिरकार किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी? 1947 में देश के बंटवारे को लेकर कितने किस्से हम सभी ने सुन रखे हैं, लेकिन जिन्होंने बंटवारे में अपना घर-बार और अपने को खोया, वो सिर्फ एक ही बात कहते हैं कि नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की जिद ने बंटवारा करवाया। मेरे पूर्वजों ने भी बंटवारे का दंश सहा है। हिन्दुस्तान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बंटवारे के पीड़ितों के साथ हर कदम पर अन्याय किया। शरणार्थी कैंपों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं थी। बंटवारा के बाद कई महीनों और वर्षों तक शरणार्थियों के निवास प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं बने। शरणार्थियों को कोई विशेष दर्जा, आरक्षण या छूट सरकार ने नहीं दी। नतीजतन, शरणार्थियों की एक पूरी पीढ़ी शिक्षा, नौकरी और तमाम अन्य क्षेत्रों में पिछड़ गई। शरणार्थियों को बंटवारे से ज्यादा दर्द और तकलीफ नेहरू सरकार की बेरुखी, बेइंसाफी और बदइंतजामी ने दी। 31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके दो सिख अंगरक्षकों ने की। इसके अगले दिन से ही दिल्ली और देश के दूसरे कुछ हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे। इन दंगों में सिखों के घरों, दुकानों को जलाया और लूटा गया और उनको मौत के घाट उतारा गया। दिल्ली और अन्य स्थानों पर हत्यारों और लुटेरों की भीड़ का नेतृत्व ज्यादातर कांग्रेस के नेता कर रहे थे। इन दंगों में दिल्ली में ही लगभग 2700 लोग मारे गए थे और देशभर में मरने वालों का संख्या 3,500 के करीब थी। 19 नवंबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और इंदिरा गांधी के उत्तराधिकारी उनके पुत्र राजीव गांधी ने दिल्ली बोट क्लब में इकट्ठा हुए लोगों के हुजूम के सामने कहा कि, 'जब इंदिराजी की हत्या हुई थी, तो हमारे देश में कुछ दंगे-फसाद हुए थे, हमें मालूम है कि भारत की जनता को कितना क्रोध आया, कितना ग़ुस्सा आया और कुछ दिन के लिए लोगों को लगा कि भारत हिल रहा है। जब भी कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है।' राजीव गांधी के शब्दों में उन हजारों सिखों का कोई जिक्र नहीं था जो अनाथ और बेघर हो गए थे बल्कि उनका वक्तव्य उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। दंगे के 21 साल बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में इसके लिए माफी मांगी और कहा कि जो कुछ भी हुआ, उससे उनका सिर शर्म से झुक जाता है। लेकिन क्या इतना कहने भर से ही सरकार का फर्ज पूरा हो गया? क्या इससे आजाद भारत के सबसे सबसे बुरे हत्याकांड की यादें मिट गईं? सिख दंगों के दोषी कांग्रेसी नेता गांधी परिवार के खास हैं। गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने आज तक हजारों निर्दोष सिखों के कत्लेआम के लिए माफी नहीं मांगी है। साल 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए। मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे। केंद्र में भी कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी देश के पीएम थे। हादसे के वक्त यूनियन कार्बाइड कंपनी का सीईओ अमेरिकी कारोबारी वारेन एंडरसन था।

(लेखक, स्वतंत्र टिपण्णीकार हैं।)

Today's Opinion

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता-एक फायदेमंद सौदा

पीयूष गोयल

सालभर पहले लागू होने वाला भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (इंडऑस ईसीटीए) इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रमुख पहलों को मद्देनजर रखते हुए सभी हितग्राहियों के साथ व्यापक परामर्श के बाद सूझ-बूझ के साथ योजना बनाई जाती है। साथ ही आम आदमी समेत छोटे एवं मध्यम उद्योग के लाभ के लिए प्रभावी ढंग से उन्हें क्रियान्वित किया जाता है। इंडऑस ईसीटीए दो क्रिकेट-प्रेमी देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद समझौता है, जो हमारे अमृतकाल में आत्मविश्वासी और आकांक्षी नए भारत के वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह दो संसदीय लोकतंत्रों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है, जो कानून के शासन का समर्थन करते हैं और समान कानूनी प्रणालियां रखते हैं। दोनों देश जापान और अमेरिका के साथ क्वाड का हिस्सा हैं। दोनों देश जापान के साथ त्रिपक्षीय आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन पहल (एससीआरआई) में शामिल हो गए हैं। दोनों देश 14-सदस्यीय इंडो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) के भी सदस्य हैं। मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) एक दशक से अधिक समय में किसी विकसित देश के साथ भारत की पहली व्यापार संधि है, जिसमें अपार क्षमता निहित है। भारत मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया से कच्चा माल और मध्यवर्ती सामान आयात करता है, जबकि इसका निर्यात मुख्य रूप से तैयार उत्पाद हैं। इसलिए एफटीए भारतीय उद्यमियों की उत्पादन लागत को कम करेगा और उनके सामान को घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। इससे भारतीय स्टार्ट-अप को आगे बढ़ने के बेहतरीन अवसर भी मिलते हैं। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि इंडऑस ईसीटीए ने एक बहुत ही आशाजनक शुरुआत की है, जिसने मोदी सरकार के इस विश्वास को मजबूत किया है कि इससे श्रम-केंद्रित क्षेत्रों में लाखों नौकरियां पैदा करने में मदद मिलेगी, क्योंकि भारतीय उत्पादों को विशाल ऑस्ट्रेलियाई बाजार में शत-प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच मिलती है। अप्रैल-नवंबर 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया को भारत का माल निर्यात 14 प्रतिशत बढ़ा है, जो चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में बाकी दुनिया के साथ भारत के व्यापार की तुलना में निर्णायक रूप से बेहतर प्रदर्शन है। प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मांग सिकुड़ गई है। ऑस्ट्रेलिया का कुल आयात चार प्रतिशत कम हो गया है, लेकिन भारत से इसकी खरीदारी जोरदार तरीके से बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया से भारत का आयात 19 प्रतिशत कम हो गया है, जिससे व्यापार घाटे में 39 प्रतिशत कमी आ गई है। रोजगार का सृजन करने वाले क्षेत्रों में प्रेफेंशियल लाइन्स के तहत ऑस्ट्रेलिया को निर्यात में जोरदार वृद्धि हुई। ऑस्ट्रेलिया को इंजीनियरिंग सामानों का निर्यात अप्रैल-अक्टूबर 2023-24 में 24 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि कुल निर्यात में केवल एक प्रतिशत की वृद्धि हुई। रेडीमेड कपड़ों में ऑस्ट्रेलिया को शिपमेंट में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कुल निर्यात में गिरावट आई। आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) ने ऑस्ट्रेलिया को इलेक्ट्रॉनिक्स सामान और प्लास्टिक के शिपमेंट में इन क्षेत्रों में समग्र निर्यात से बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की। इसके अलावा, भारत ऑस्ट्रेलिया को 700 से अधिक नई वस्तुओं का निर्यात कर रहा है। वर्ष 2023-24 के पहले 10 महीनों में ये निर्यात 335 मिलियन अमेरिकी डॉलर का है, जिसमें 65 मिलियन डॉलर के स्मार्टफोन भी शामिल हैं। अन्य नए उत्पादों में रत्न और आभूषण क्षेत्र की कई वस्तुएं, लाइट ऑयल, गैर-औद्योगिक हीरे और साथ ही रेशम से बने स्कर्ट और कपड़े शामिल हैं। हमारे व्यापार साझीदार मानते हैं कि प्रधानमंत्री ने भारतीय अर्थव्यवस्था को सराहनीय ढंग से आगे बढ़ाया है, जिससे इस उथल-पुथल भरी दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था आशा की किरण बन गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत 2027 तक एक विकसित देश बनने की राह पर है।

(लेखक, वाणिज्य एवं उद्योग, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, उपभोक्ता मामले के मंत्री हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब और हो सकता है खतरनाक?

संजीव ठाकुर

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई , सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन,मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।

इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं।

विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं।

खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है।

यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है।

राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें मानवीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है। हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर

शिक्षा देने के साथ बच्चों को जीने की कला भी सिखाएं

अशोक मधुप

आज हमारा ध्यान बच्चों की शिक्षा पर है। उन्हें योग्य बनाने पर है।योग्य भी इतना की 100 में 95 अंक पाना भी स्वीकार नहीं। पेपर के निर्धारित पूरे अंक चाहिए। इन सबके बीच हम बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान नही दे पा रहे। बच्चों की शिक्षा पर माता पिता का ध्यान ज्यादा है। बच्चों के शारीरिक विकास पर नहीं। बच्चों के मानसिक विकास पर नहीं,जबकि जरूरी है कि बच्चों को जीवन जीना सिखाया जाए।

विपरीत समय में कैसे बचे, सुरक्षित रहे, या कोई नही बता रहा जबकि बहुत जरूरत है सभी बच्चों को जीवन जीना सीखने की कला सिखाई जाए।उन्हें प्रत्येक विपरीत परिस्थिति के लिए तैयार किया जाए। उन्हें बताया जाए कि किसी आपदा या संकट में फंस जाएं तो उससे कैसे बचे।

कोलंबिया के अमेजन के जंगल में मई में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में लापता हुए चार बच्चे घटना के 40दिन बात जीवित मिले। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने यह घोषणा की। राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने शुक्रवार देर रात ट्विटर पर कहा, पूरे देश के लिए खुशी की बात है !कोलंबिया के जंगल में 40 दिन पहले लापता हुए चारों बच्चे जिंदा मिल गए हैं।

उन्होंने सैन्य और स्वदेशी समुदाय के कई सदस्यों की एक तस्वीर भी साझा की, जो भाई-बहनों लेस्ली जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (13), सोलेनी जैकबॉम्बेयर मुकुतुय (9), टीएन रानोक मुकुतुय (4) और क्रिस्टिन रानोक मुकुतुय (1) की थी।एक बयान में राष्ट्रपति ने इसे मैजिकल डे करार दिया, और कहा ये अकेले थे, उन्होंने जीवन संघर्ष का ऐसा उदाहरण पेश किया, जो इतिहास में बना रहेगा।गौरतलब है कि एक मई को, सेसना 206 लाइट एयरक्राफ्ट अमेजॅनस प्रांत में अरराकुआरा और ग्वावियारे के एक शहर सैन जोस डेल ग्वावियारे के बीच उड़ान भरने के दौरान गायब हो गया। दुर्घटना के बाद से खोजी कुत्तों के साथ 100 से अधिक सैनिकों को खोज और बचाव कार्यों में लगाया गया है।पिछले महीने विमान का मलबा और पायलट तथा दो वयस्कों के शव मिले थे। उड़ान के शुरुआती घंटों में ही पायलट ने इंजन के फेल होने की सूचना दी और आपातकालीन अलर्ट जारी किया। इसके बाद विमान घने जंगल में जाकर क्रैश हो गया। दुर्घटना के परिणामस्वरूप पायलट और बच्चों की मां मागदालेना मुकुटुय सहित तीन वयस्कों की मौत हो गई और उनके शव विमान के अंदर पाए गए। जबकि 13, नौ, चार साल और बारह महीने के चारों बच्चे 40 दिन बाद जीवित पाए गए।

कोलंबिया के राष्ट्रपति ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुझे उन्हें देख कर बेहद खुशी हुई क्योंकि बच्चों ने जंगल के बीच में अकेले अपना बचाव किया था। रेस्क्यू टीम को बच्चों के पास से कुछ फल मिले हैं। बता दें कि चारों बच्चे आपस में भाइ बहन है। इन बच्चों ने खुद के लिए झाड़ियों का छोटा एक घर भी बना लिया था। इस घर में ये चारों एक साथ पाये गए। खुद को जीवित रखने के लिए इन बच्चों ने 40 दिन तक घने जंगल में पेड़ों से फल तोड़कर खाए।सर्च डाग ने इनके गिरे फल से ही इनका पता लगाया।हालाकि चालिस दिन में ये बच्चे बहुत कमजोर हो गए थे। इन बच्चों के दादा फिडेंशियो वैलेंशिया ने बताया कि दुनिया में कभी कोई बच्चा इतने मुश्किल हालात में जिंदा रहना जानता है तो वह वह मुकुतुय परिवार का हो सकता है। इन चारों में दो बड़े बच्चे लेस्ली और सोलेनी जंगल में जिंदा रहने वाली कला से बखूबी वाकिफ थे। उन्होंने बताया हुई तोतो कबीले के सदस्य बहुत कम उम्र में ही शिकार करना,मछली पकड़ना और खाने पीने का सामान जमा करना सीखने लगते हैं।

कोलंबिया के मीडिया से बात करते हुए इन बच्चों की चाची दमारिस मुकुतुय ने बताया उनके परिवार के बच्चे जब बड़े हो रहे होते हैं, तो वे खानदान के दूसरे लोगों के साथ जिंदा रहने का खेल खेलते हैं। उन्होंने अपना बचपन याद करते हुए कहा कि जब हम सब बचपन में खेल खेलते थे तो हम छोटे-छोटे तंबू बनाया करते थे। उन्होंने बताया कि 13 साल की लेस्ली को पता था कि कौन से फल नहीं खाने हैं क्योंकि जंगल में बहुत से फल जहरीले मिलते हैं। लेस्ली को छोटे बच्चे का ख्याल रखना भी अच्छी तरह आता था. दुर्घटनाग्रस्त विमान के मलबे से लेस्ली ने फैरून नाम का एक तरह का आटा भी खोज निकाला. जब तक यह आटा रहा तब तक यह बच्चे इसी पर गुजर करते रहे. बच्चों की तलाशी अभियान में हिस्सा लेने वाले हुई तूतो समुदाय के बुजुर्ग एडमिन पाखी ने बताया कि आटा खत्म होने के बाद चारों बच्चे जंगली फल के बीज खाने लगे. इन्हीं बचे मिले फल से बच्चों की खोज हुई।

बच्चों के दादा कहते हैं कि मुकुतुय परिवार के बच्चों को बचपन से ही विपरीत परिस्थिति में जंगल में आदमी के जीने की कला सिखाई जाती है। कोलंबिया में मुकुतुय परिवार को यह कला सिखाई जाती है किंतु हिंदुस्तान में तो प्रायः सरकारी स्कूल के कक्षा तीन से लेकर कक्षा आठ तक सारे बच्चे ये कला सीखते हैं। ये शिक्षा है स्काउट की। इसमें स्काउट (लड़के)/ गाइड (लडकियों) को बताया जाता है कि जंगल में फंसने पर पेड़ पौधों की छाल से कैसे रोटी बनानी है। तवा ना होने पर भी पत्थर पर कैसे रोटी को सेकनी है। बिना माचिस कैसे आग जलानी है। वन में रास्ते पर चलते निशान लगाते चलना है कि पीछे आने वाले को सुविधा रहे। बिछड़े साथियों की टीम के लिए किस तरह का इशारा करना है। जंगल में जरूरत पर रस्सी से कैसे पुल तैयार करना है। मुसीबत में फंसे साथी की कैसे मदद करनी है।एक वाक्य में इन्हें जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनना सिखाया जाता है। स्काउट/गाइड आंदोलन का उद्देश्य युवाओं के शारिरिक, बौद्धिक, समाजिक, भावात्मक और आध्यात्मिक विकास में मदद कर उन्हें स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

किंतु जब से प्राइवेट क्षेत्र में शिक्षा का चलन बढ़ा तब से यह सब खत्म हो गया। सीबीएसई/आइसीएसई शिक्षा में नंबर ज्यादा आने से बच्चों के अभिभावकों का बच्चों से ज्यादा उनकी पढ़ाई पर ध्यान रहने लगा। उनका दबाव रहता है कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा नंबर लाएं। इसीलिए स्कूल के बाद ट्यूशन पढ़ने का चलन जोर पकड़ गया। आज की प्राइवेट शिक्षा में छोटी क्लास से लेकर इंटर तक का बच्चा पढ़ाई की मशीन बनकर रह गया। स्कूल में आठ घंटे लगाने के बाद बच्चों को सभी सब्जेक्ट की ट्यूशन पढ़ने हैं। चार सब्जेक्ट की ट्यूशन के लिए चार घंटे चाहिए। एक टयूशन से दूसरे टयूशन तक जाने के लिए बच्चों को लगभग तीन से चार घंटे लगते हैं। इस तरह से आज के बच्चे और किशोर 15 से 16 घंटे पढ़ाई के लिए तैयार होने और पढ़ाई पर लगते हैं। इसके बाद भी मां-बाप का दबाव रहता है कि स्कूल और टयूशन का होमवर्क करना है। इतना सब होने के बाद बच्चे और किशोर को खेलने के लिए और अपने व्यक्तिगत विकास के लिए समय नहीं मिलता। आज के मां-बाप का इस बच्चे के व्यक्तिगत विकास पर उनका ध्यान नहीं उनका जितना जोर बच्चों की पढ़ाई पर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संजय 'तल्ख़'

ग़ज़ल

पुरखौफ़ कमसिनी का मज़ा हम से पूछिये
उस्ताद की छड़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

शाइर भी बन गये हैं बने फ़लसफ़ी भी हम
बर्बाद ज़िंदगी का मज़ा हमसे पूछिये ।।

होता नहीं है इस में ज़माने का डर कोई
बेगम से आशिक़ी का मज़ा हम से पूछिये।।

मानो न मानो मय की ये लज़्ज़त बढ़ाएगी
शिद्दत की तिश्नगी का मज़ा हम से पूछिये।।

अपने ग़मों की सोच के हम ख़ुद ही हँस पड़े
हल्की सी बे-ख़ुदी का मज़ा हम से पूछिये ।।

मंदिर में सुब्ह शाम की ड्यूटी से बच गए
यानी कि क़ाफ़िरी का मज़ा हम से पूछिये।।

इस इब्तिदा-ए-इश्क़ से पहले के दौर में
अंदाज़-ए-बरहमी का मज़ा हम से पूछिये।।

पाबंदियाँ अरूज़ की चूल्हे में डाल कर
बे-बहर शाइरी का मज़ा हम से पूछिये ।।

आँसू हमारे साफ़ न दिख पाएँ 'तल्ख़' को
धुंधली सी रौशनी का मज़ा हम से पूछिये।।

अशरफ याकूबी

ग़ज़ल

लब चुप हुए तो दीद-ए-तर बोलने लगे,
गूंगे थे जितने ज़ख़्मे जिगर बोलने लगे।

हम भी ज़बां संभाल करते हैं गुफ्तगू,
जब से हमारे नूरे नज़र बोलने लगें।

ऐसा बनाओ बहुत के ज़माने के सामने,
आज़र तुम्हारा दस्ते हुनर बोलने लगे।

पहले खिलाफे जुल्म तो वो बोलते न थे,
क्यूं आज हो के सीना सिपर बोलने लगे।

कुछ ऐसा एहतमाम किया जाए जश्न का,
दीवार बोलने लगे दर बोलने लगें।

क्या मसलेहत पसंदी उन्हें रास आ गई,
रख कर किसी के पांव पे सर बोलने लगे।

अशरफ तुम्हारी शायरी का यह कमाल है,
लफ़्ज़ों के सारे ज़ेरो ज़बर बोलने लगे।

तम्बाकू खाने वालों का जीवन ही खा जाता है तम्बाकू

डॉ मनोज कुमार तिवारी

वरिष्ठ परामर्शदाता

ए आर टी सेंटर, एसएस हॉस्पिटल, आई एम एस, बी एच यू, वाराणसी

तंबाकू के दुष्प्रभाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के प्रयासों को वढावा देने के लिए हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस का नारा (थीम) है- हमें भोजन की आवश्यकता है, तंबाकू की नहीं, दुनिया भर में सालाना 35 लाख हेक्टेयर भूमि का उपयोग तंबाकू की खेती के लिए किया जाता है। तंबाकू की खेती के लिए वार्षिक वनों की कटाई का अनुमान लगभग 2 लाख हेक्टेयर है। तंबाकू की खेती के से जमीन की उपजाऊ शक्ति कम होती है तथा मरुस्थलीकरण का खतरा अधिक होता है। जिससे भविष्य में पूरे विश्व में खाद्यान्न की भारी कमी होने की संभावना है। तंबाकू के सेवन से वातावरण में अनेक हानिकारक पदार्थ पैदा होते हैं।

तंबाकू के निर्माण, पैकेजिंग एवं परिवहन से भी पर्यावरण में अनेक प्रकार के प्रदूषण बढ़ते हैं। तंबाकू के कारण हजारों टन जहरीले पदार्थ व ग्रीन हाउस गैसेस पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहीं हैं। तंबाकू की खेती कृषि योग्य भूमि के पोषक तत्वों को हानि पहुंचाती हैं। तंबाकू निर्माण से रासायनिक कचरा पैदा होता है जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होता है।

भारत में पर्यावरण मंत्रालय तंबाकू उद्योग को अत्यधिक प्रदूषण कारी उद्योग का दर्जा देता है तो वही बीड़ी उद्योग को कुटीर उद्योग का दर्जा प्राप्त है। तंबाकू निर्माण इकाईयों से पानी दूषित होता है। सेंट्रल टोबैको रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीटीआरआई) के अनुसार आधा हेक्टेयर तंबाकू की फसल ठीक करने के लिए 1 हेक्टेयर जंगल की लकड़ी की आवश्यकता होती है। सीटीआरआई के अनुसार तंबाकू का उत्पादन करीब 3 हजार लाख किलोग्राम है, एक किलोग्राम तंबाकू के उपयोग लायक बनाने के लिए 8 किलोग्राम लकड़ी की आवश्यकता होती है।

एक अनुमान के अनुसार हर वर्ष 24 हजार लाख किलोग्राम लकड़ी तंबाकू ठीक करने हेतु जलती है। 3 सौ सिगरेट तैयार करने के लिए एक पेड़ काटा जाता है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक देश है यहां का वार्षिक उत्पादन 757.5 हजार मीट्रिक टन है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू छोड़ने का निश्चय करने वालों में से केवल 30% लोग ही तंबाकू छोड़ने के उपाय को अपनाने में सफल होते हैं। एक अनुमान के अनुसार पूरी दुनिया में प्रति 6 सेकंड पर एक व्यक्ति की मौत का कारण तंबाकू होता है। भारत में तंबाकू सेवन करने वालों की संख्या लगभग 27 करोड़ है। ग्लोबल एडल्ट तंबाकू सर्वेक्षण (2016-17) के अनुसार भारत में 42.47% पुरुष तथा 12.24% महिलाएं तंबाकू का प्रयोग करते हैं।

सेकंड हैंड स्मोकिंग जिसमें व्यक्ति स्वयं धूम्रपान नहीं करता किंतु उसके आसपास के

लोगों द्वारा धूम्रपान करने के कारण श्वांस के माध्यम से वे धूम्र ग्रहण करते हैं। सिगरेट व बीड़ी पीने वाले जो धुआं छोड़ते हैं उसमें सामान्य हवा की अपेक्षा 3 गुना ज्यादा निकोटीन, 3 गुना टार एवं 50 गुना अमोनिया होता है।

बच्चों में सेकंड हैंड स्मोकिंग के कारण दिल का दौरा पड़ने या स्ट्रोक का खतरा बहुत अधिक रहता है। इससे महिलाओं में बांझपन का भी खतरा बढ़ जाता है। एक अनुमान के अनुसार भारत में 50% लोग सेकंड हैंड स्मोकिंग के शिकार होते हैं।

तंबाकू का दुष्प्रभाव:

गुर्दे की बीमारी
नेत्र रोग
सांस की समस्याएं
दांतों की समस्या
आंतों में सूजन
त्वचा रोग
कैंसर
उच्च रक्तचाप
दमा

तम्बाकू के जोखिम कारक:

माता-पिता या परिवार के सदस्यों द्वारा तंबाकू का सेवन करना।
पालन-पोषण का अनुचित ढंग
रोल मॉडल के द्वारा तंबाकू का सेवन।
अभिभावकों व शिक्षकों द्वारा बच्चों के प्रति तिरस्कार पूर्ण व्यवहार।
भावनात्मक स्थिरता की कमी।
समायोजन क्षमता की कमी।
मानसिक विकार
पहचान बनाने की त्रुटिपूर्ण अवधारणा
समायोजन की क्षमता में कमी
जागरूकता की कमी
शिक्षा की कमी
सामाजिक सांस्कृतिक प्रथाएं
प्रचार माध्यम
तंबाकू का सर्व सुलभ होना

तंबाकू छोड़ने के उपाय:

सबसे पहले व्यक्ति छोड़ने का पक्का इरादा बनाएं।
अचानक से बंद न करके धीरे-धीरे तंबाकू की मात्रा में कमी करें।
तंबाकू छोड़ने में परिवार और मित्रों का सहयोग ले।
ऐसे लोगों से संपर्क न रखें जो तंबाकू का सेवन करते हैं।
तंबाकू की तलब महसूस होने पर मुंह में पिसी हुई काली मिर्च, लौंग, छोटी इलाची, टॉफी, च्यूइंगम का प्रयोग करें।
अपने पास में तंबाकू कदापि न रखें।
गुनगुने पानी में नींबू का रस व शहद मिलाकर पीने से इसके तलब में कमी आती है
तंबाकू से होने वाली हाँनियों की सूची अपने कमरे में लगाएं।

तंबाकू निषेध से पर्यावरण को लाभ:-

जंगलों का कटान रुकेगा
वायु प्रदूषण कम होगा
जल प्रदूषण कम होने से जल जीवों की रक्षा के साथ- साथ पीने योग्य पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।
कृषि योग्य भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी।
तंबाकू के कचरे से मुक्ति
लोग तंबाकू के कारण होने वाले बीमारियों से बचे रहेंगे

उपचार:

व्यावहारिक मनोचिकित्सा
मनोवैज्ञानिक शिक्षा
अरुचि चिकित्सा
सामाजिक समर्थन
निकोटीन प्रतिस्थापना उपचार

व्यक्ति दृढ़ इच्छाशक्ति, परिवार, मित्रों के सहयोग एवं समर्थन तथा मनोवैज्ञानिकों के उचित परामर्श एवं मनोचिकित्सा तथा आवश्यक होने पर चिकित्सक द्वारा प्रदत्त दवाई लेकर तंबाकू की लत पर आसानी से विजय प्राप्त कर सकता है। आए हम सब विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर यह संकल्प लें की न तंबाकू का सेवन करेंगे और न दूसरों को करने देंगे ताकि हमारी अगली पीढ़ी को खाद्यान्न संकट का सामना न करना पडे।

सरस्वती धानेश्वर, भिलाई, छत्तीसगढ़

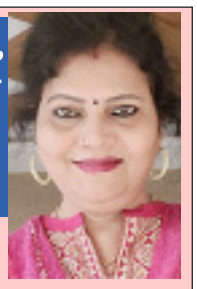

कब आओगे अबकी बार

ठहर जातें हैं अक्सर कदम
उन गलियों में जाकर,
घूम जाती हैं यादें
पदचिन्ह बनकर,
कई हवाओं के झोंके,
स्पर्श कर जाते हैं मेरी रूह को,
वो सूनी पड़ी राहें मांगती हैं
कई गुजरे दिनों का हिसाब !
बिखरी यादों के इर्द-गिर्द कई
विस्तृत छोर अपार ! कैसे खोजूं ?
कहां मिलेंगे ?
पुनः लौटकर बीते वो पल
चिन्ह बारम्बार !
यूंही अक्सर मेरे जेहन में,
आहिस्ता से उभरता है एक ख्याल,
काश कि मैं छू पाती
उन बीते लम्हों के तसव्वुर को,
जो हमेशा के लिए ठहर से गए हैं
मेरी चेतना के प्रांगण में बनकर खुशबू,
अंतहीन आकंठ, बेशुमार !
ढलती शाम की सुहानी डगर,
गुनगुनाहट से वो सुरम्य पल,
लयबद्ध ख़ामोश सी,
मद्धिम सुरों की वो झंकार।
मूक खड़े हैं मोड़ सभी,
ठहरे नैनों की पुकार,
पूछ रहें हैं पलचिन्ह मुझसे
कब आओगे अबकी बार !

वैदेही कोठारी स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखिका

लघुकथा: शर्मसार

दूल्हा-दुल्हन ने भारतीय परिधान धारण किये हुए, शादी में सम्मलित लोग पारम्परिक भारतीय वेशभूषा में ही थे..,रेनाल्ड ने टोनी जिया को अपने पेरेंट्स से मिलवाया, रेनाल्ड की माँ बोली (इंग्लिश)- आपने इंडियन ट्रेडिशनल कपड़े नहीं पहने! हम भारतीय रीति रिवाज़, वैदिक मंत्रो से शादी करने वाले है। यह सुन, टोनी और जिया एक दूसरे का मुंह देखने लगे, मानो उन पर घड़ो पानी पड़ गया हो -शर्मसार हो गए ।

जिया पाश्चात्य रंग में रंगी हुई एक बिगड़ैल लड़की थी। पिता भी उसके पहनावे और व्यवहार को गलत नहीं कहते। किन्तु माँ जरूर हमेशा आपत्ति जताती रहती। लेकिन माँ की सुनता कौन ? घर में माँ पूजा पाठ करती तो वह प्रसाद भी नहीं खाती, क्या मॉम कब तक पुरानी रीति रिवाज़ पूजा पाठ में लगी रहोगी। मुझे पसंद नहीं प्रसाद, मुंह बना कर चली जाती !

माँ जिया को समझाने जाती, पिता तुरंत माँ को चुप करा करा देते।

जिया तैयार होकर माँ से बोली मैं दोस्तों के साथ नाईट पार्टी में जा रही हूँ, माँ उसे देख बोली.., है राम ! इतने छोटे कपड़े..,कुछ तो शर्म करो।

जिया चिढ़ कर बोली !, तुम क्या जानो फैशन ! मुझे तुम्हारे जैसा गँवार नहीं दिखना ! मुंह बना कर चली गई।

जिया के लिए कई लड़को के रिश्ते आए, किन्तु जिया सभी को मना कर देती। मुझे किसी मॉर्डन लड़के से शादी करनी है, न कि किसी रूढ़विादी से जिया का हर लड़के को मना करते देख, आखिर में पिता ने पूछा - तुम्हें कोई लड़का पसंद हो तो बताओ।

हाँ - पापा,

मेरे साथ ही ऑफिस में काम करता है, टोनी

पिता - लेकर आ ओ घर

अगले दिन जिया टोनी को लेकर घर आ गई, रंग गोरा, कसा हुआ डील डोल, गले में मोटी चेन, टाइट टीशर्ट हांथो पर टेटू गुदे हुए, जींस हिल शूज पहने, टोनी हाँथ आगे बढ़ाते हुए बोला - हेलो सर

पिता- हेलो ! अंदर आओ..,।

दोनों परिवारों ने मिल कर विवाह तय कर दिया, किन्तु जिया वैदिक तरीके से विवाह नहीं करना चाहती, वह दोनों तो कोर्ट मैरिज करना चाहते है।

दोनों के पेरेंट्स भी बच्चों की मर्जी में ही...राजी हो गए।

टोनी को अमेरिका की एक कंपनी से नौकरी का ऑफर आया। वह जल्द ही अमेरिका शिफ्ट हो गए..।

कंपनी में टोनी का सहकर्मी रेनाल्ड ने अपनी विवाह पत्रिका टोनी को भी दी।

टोनी ने पत्रिका जिया को बताई, वह फूली नहीं समाई ख़ुश होकर बोली.., वाओ हम यहाँ शादी में शामिल होंगे, यह कहते हुए वह टोनी के गले लग गई, जिया सोचने लगी, कि क्या पहने शादी में..?

यहाँ तो सभी छोटे कपड़े ही पहनते है, शादी वाले दिन उसने भी छोटा सा तंग मिनी स्कर्ट, बड़े गले वाला चमकीला ब्लाउस, ऊँचे सेंडिल, खुले बाल, चेहरे पर डार्क मैकअप कर, शादी में जाने के लिए तैयार हो गई।

वह शादी वाली जगह पहुंचे तो देखतें ही रह गए..!,

वहाँ की सजावट बिलकुल भारतीय संस्कृति को दर्शा रही थी। गेट पर कलश नुमा डिज़ाइन बनी, उस पर फूलों की माला, अंदर पहुंचे तो फेरे वाली जगह पर रंगोली बनी हुई...,हवन और वैदिक विवाह की तैयारी चल रही थी।

दूल्हा-दुल्हन ने भारतीय परिधान धारण किये हुए, शादी में सम्मलित लोग पारम्परिक भारतीय वेशभूषा में ही थे..,रेनाल्ड ने टोनी जिया को अपने पेरेंट्स से मिलवाया, रेनाल्ड की माँ बोली (इंग्लिश)- आपने इंडियन ट्रेडिशनल कपड़े नहीं पहने ! हम भारतीय रीति रिवाज़, वैदिक मंत्रो से शादी करने वाले है।

यह सुन, टोनी और जिया एक दूसरे का मुंह देखने लगे, मानो उन पर घड़ो पानी पड़ गया हो -शर्मसार हो गए।

48 राजस्व कॉलोनी रतलाम (मध्य प्रदेश)

चेतना प्रकाश चितेरी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

घर है तुम्हारा

सँभाल लो ! घर सँवार लो
घर है तुम्हारा।

बड़े नाजुक होते हैं दिल के रिश्ते,
तुम इन्हें निभा लो !
धीरे - धीरे बंद मुट्ठी में
रेत की तरह फिसल जाएगा,
मन में प्रायश्चित के सिवा
कुछ भी नहीं बचेगा,
अपनों से कैसा शिकवा ?

तुम्हारा है परिवार,
तुम इसे बेगाना न समझो !

एक दूसरे से प्रेम कर लो !
चार दिन की है जिंदगानी ,
खाली हाथ आए हैं खाली है जाना
सब कुछ धरा पर रह जाएगा,

सामंजस्य बिठा लो !
मायके से ज्यादा ससुराल है प्यारा,
अपना के देखो तुम एक बार,
प्रेम करते हैं सभी तुमसे,
थोड़ा मान -सम्मान इन्हें देकर देखो,
मोम की तरह हृदय है इनका,
तुम इनकी भावनाओं से खेलना छोड़ो !

सँभाल लो ! सँवार लो, घर है तुम्हारा।

BNM Fantasy

Tuesday
02 January 2024

नेहा मलिक ने फिर लूट लिया फैंस का दिल

भोजपुरी सिनेमा हॉट एक्ट्रेस नेहा मलिक सिजलिंग, ग्लैमरस और बोल्ड लुक की वजह से सोशल मीडिया में चर्चा में रहती हैं। फैंस उनके बोल्ड और हॉट फोटोज का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। एक बार फिर नेहा ने अपनी तस्वीरों शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। फैंस उनकी कातिलाना अदाओं से नजरें ही नहीं हटा पा रहे हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। नेहा मलिक की ये तस्वीरें दुबई में उनके वेकेशन की हैं। नेहा मलिक ने फ्लोरल प्रिंट ऑफ शोल्डर गाउन में खूबसूरत लग रही हैं। फैंस उनके स्टाइलिश और बोल्ड लुक से उनके दीवाने हो गए हैं।

दीपिका पादुकोण की तस्वीर ने फिर चुराया रणवीर सिंह का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म फाइटर को लेकर हर तरफ छाई हुई हैं. फिल्म का नया गाना बीते दिन रिलीज किया गया है. दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की कैमिस्ट्री काफी सुर्खियों में बनी हुई है. लेकिन दीपिका के फैंस उन्हें उनके पति रणवीर सिंह के साथ देखना काफी पसंद करते हैं और दोनों के बीच की ऑफ स्क्रीन कैमिस्ट्री फैंस का दिल जीत लेती हैं. रील लाइफ या रियल लाइफ रणवीर हमेशा दीपिका के जिंदगी में हीरो का किरदार निभाते नजर आते हैं. दरअसल दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की है. एक्ट्रेस की तस्वीर इस कदर हसीन हैं कि हर कोई अपना दिल हार बैठा है. ब्लू कलर की साड़ी में दीपिका बला की खूबसूरत लग रही हैं. ऐसे में एक्टर और पति रणवीर सिंह अपने इमोशन्स पर काबू नहीं रख पाए और दीपिका की तस्वीर पर कमेंट कर डाला. रणवीर ने लिखा, हाय माई जान. इस कमेंट से साफ है कि दीपिका की तस्वीर देख रणवीर का दिल उनके लिए फिर धड़क उठा है. रणवीर सिंह के इस कमेंट ने उनके और दीपिका के फैंस का भी दिल जीत लिया है. रणवीर सिंह अपनी पत्नी पर इसी तरह प्यार लुटाते हुए नजर आते हैं. दीपिका और रणवीर बॉलीवुड की हिट जोड़ियों में से भी एक हैं. दोनों ने साथ में कई हिट फिल्में दी हैं. रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी फिल्मों के जरिए इस जोड़ी ने फैंस के दिलों में अपनी जगह बनाई है. वहीं हाल ही में रामलीला के 10 साल पूरे हुए थे.

घुंघरू पहन अक्षरा सिंह ने जमकर लगाए ठुमके

नए भोजपुरी गाने का टीजर आउट

अक्षरा सिंह का लेटेस्ट वीडियो रिलीज होने के लिए तैयार है. हाल ही में एक्ट्रेस के अपकमिंग गाने का टीजर लॉन्च हुआ है. इस क्लिप को भोजपुरी फैंस खूब पसंद कर रहे हैं. वीडियो से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि अक्षरा एक बार फिर अपने फैंस को दीवाना बनाने वाली हैं. सोशल मीडिया पर अक्षरा इस वक्त छाई हुई हैं. भोजपुरी की मशहूर अदाकारा अक्षरा सिंह एक बार फिर छाई हुई हैं. हाल ही में उन्होंने अपने अपकिंग गाने का नया पोस्टर शेयर किया है. बता दें अक्षरा का एक नया गाना रिलीज होने वाला है जिसका टीजर सामने आया है. एक्ट्रेस ने पोस्टर शेयर कर टीजर की जानकारी साझा की है. चलिए जानते हैं कौन सा है वो गाना और कैसा है टीजर? अक्षरा सिंह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं. लाल रंग के आउटफिट में अक्षरा की खूबसूरत गर्दा उड़ा रही है. लेकिन, उनके आने वाले गाने का टीजर कितना धमाल मचाता है ये तो आप इसे देखने के बाद ही बता पाएंगे. बता दें कि एक्ट्रेस के नए वीडियो सॉन्ग का नाम घुंघरू है जिसका इंतजार अक्षरा के फैंस को बड़ी ही बेसब्री से है. अक्षरा सिंह का धमाकेदार टीजर रिलीज के साथ ही भोजपुरी फैंस के बीच छा गया है. एक्ट्रेस के फैंस इस टीजर क्लिप पर खूब प्यार बरसा रहे हैं. वीडियो में आप देख सकते हैं अक्षरा ने लाल रंग का लहंगा पहन रखा है. साथ ही, घुंघराले बालों में उनकी खूबसूरती का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है.इस टीजर क्लिप में अक्षरा सिंह को अलग अंदाज में देख कर उनके फैंस बेहद एक्साइटेड हो रहे हैं. उनके गाने का उन्हें बेसब्री से इंतजार है. बता दें कि भोजपुरी इंडस्ट्री में अक्षरा की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है. उन्होंने कई सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर किया है. अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले गाने को अक्षरा के फैंस कितना प्यार देते हैं?